17 अगस्त 2015, कुल पृष्ठ : 8, मूल्य : 2/- आर. एन. आई. 31109/77 JaipurCity / 224 / 2015-17

जैन
# पथप्रदर्शक

ए-4, बापूनगर, जयपुर - 302015 (राज.)

नैतिक एवं सामाजिक चेतना का अग्रदूत निष्पक्ष पाक्षिक

डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल के व्याख्यान प्रतिदिन अब आधे घंटे
जिनवाणी चैनल पर
जिनवाणी JINVANI प्रतिदिन
सुख, शान्ति, समृद्धि
प्रातः 7.00 से 7.30 बजे तक

वर्ष : 38, अंक : 10 सम्पादक : **पण्डित रतनचन्द भारिल्ल** आजीवन शुल्क : 251 रुपये
अगस्त (द्वितीय), 2015 (वीर नि. संवत्-2541) सह-सम्पादक : **डॉ. संजीवकुमार गोधा व पण्डित परमात्मप्रकाश भारिल्ल** वार्षिक शुल्क : 25 रुपये

# 38वाँ आध्यात्मिक शिक्षण शिविर संपन्न

**जयपुर (राज.) :** यहाँ ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन में 'श्री कुन्दकुन्द कहान दिगम्बर जैन तीर्थ सुरक्षा ट्रस्ट' मुम्बई द्वारा दिनांक 02 से 11 अगस्त 2015 तक 38वाँ आध्यात्मिक शिक्षण शिविर अनेक मांगलिक आयोजनों सहित सम्पन्न हुआ।

शिक्षण शिविर का उद्घाटन श्रीमती रंजनबेन रमेशचंद्र के. दोशी मुम्बई के करकमलों से हुआ। इस अवसर पर सभा की अध्यक्षता श्री निहालचंदजी जैन ओसवाल जयपुर ने की। मुख्य अतिथि के रूप में श्री प्रदीपजी चौधरी किशनगढ एवं डॉ. भारिल्ल के साथ-साथ सभी विद्वत्गण मंचासीन थे।

श्री कुन्दकुन्द कहान दि.जैन तीर्थ सुरक्षा ट्रस्ट का परिचय श्री अशोकजी जैन जबलपुर ने दिया। मंचासीन समस्त अतिथियों का सम्मान श्री अशोकजी जैन जबलपुर एवं श्री परमात्मप्रकाशजी भारिल्ल ने किया।

मंच का उद्घाटन डॉ. अरविन्दजी गोंडल ने एवं ध्वजारोहण श्रीमती दीपिकाबेन अनिलकुमार बाबूलाल दोशी मुम्बई ने किया।

इस अवसर पर विद्वत् शिरोमणि डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल का शिविरों की उपयोगिता के संदर्भ में मार्मिक उद्बोधन हुआ।

शिक्षण शिविर में प्रतिदिन गुरुदेवश्री कानजीस्वामी के मांगलिक सी.डी. प्रवचन के साथ-साथ डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल द्वारा प्रवचनसार पर, डॉ. उत्तमचंदजी सिवनी के प्रातःकाल पंचास्तिकाय एवं रात्रि में मोक्षमार्गप्रकाशक पर प्रवचनों का लाभ प्राप्त हुआ। रात्रि में प्रथम प्रवचन में ब्र. जतीशचंदजी शास्त्री दिल्ली, ब्र. हेमचंदजी हेम, पण्डित प्रदीपजी झांझरी उज्जैन, पण्डित गुलाबचंदजी बीना, पण्डित अनिलकुमारजी भिण्ड, पण्डित रजनीभाई दोशी हिम्मतनगर आदि विद्वानों के प्रवचनों का लाभ प्राप्त मिला।

प्रतिदिन चलने वाली प्रौढ कक्षाओं में पण्डित रतनचंदजी भारिल्ल जयपुर द्वारा निमित्त-उपादान, पण्डित प्रदीपजी झांझरी उज्जैन द्वारा मोक्षमार्गप्रकाशक, ब्र. जतीशचंदजी शास्त्री दिल्ली द्वारा छहढाला, पण्डित शांतिकुमारजी पाटील जयपुर द्वारा समयसार (गाथा-73), डॉ. संजीवकुमारजी गोधा जयपुर द्वारा क्रमबद्धपर्याय, पण्डित पीयूषजी शास्त्री जयपुर द्वारा तत्त्वार्थसूत्र एवं पण्डित प्रवीणजी शास्त्री बांसवाड़ा द्वारा गुणस्थान विवेचन की कक्षा ली गई। बाल कक्षा पण्डित अशोकजी उज्जैन द्वारा ली गई।

दोपहर की सभा में प्रतिदिन बाबू जुगलकिशोरजी 'युगल' के सी.डी. प्रवचन के पश्चात् महाविद्यालय के छात्र विद्वानों द्वारा प्रवचन तदुपरान्त आयोजित व्याख्यानमाला में ब्र. हेमचंदजी हेम, पण्डित अनिलजी भिण्ड, पण्डित शिखरचंदजी विदिशा, रजनीभाई दोशी एवं पण्डित कमलचंदजी पिड़ावा आदि विद्वानों के प्रवचनों का लाभ प्राप्त हुआ।

प्रातःकालीन प्रौढ कक्षाओं में पण्डित कमलचंदजी पिड़ावा, पण्डित जयकुमारजी जैन बारां, पण्डित शिखरचंदजी विदिशा, पण्डित प्रमोदजी सागर, पण्डित सुरेशजी टीकमगढ, पण्डित गुलाबचंदजी बीना, पण्डित सिद्धार्थजी दोशी रतलाम इत्यादि विद्वानों के प्रवचनों का लाभ प्राप्त हुआ। इसके उपरान्त 7.00 बजे से 7.30 बजे तक प्रतिदिन जिनवाणी चैनल पर आने वाले डॉ. भारिल्ल के प्रवचनों का प्रसारण होता था।

38वें शिक्षण शिविर के आमंत्रणकर्ता श्रीमती सुनीता शांतिनाथजी की स्मृति में हस्ते श्री शांतिनाथ एवं अजीत जैन बड़ौदा, श्री विमलकुमारजी जैन नीरु केमिकल्स दिल्ली, श्री राहुलकुमार नवीनचंद केशवलाल मेहता मुम्बई तथा श्री प्रेमचंदजी व तन्मय-ध्याता बजाज कोटा थे।

शिविर में श्री सिद्धपरमेष्ठी विधान आयोजित हुआ, जिसके आमंत्रणकर्ता श्री सिद्धार्थजी दोशी रतलाम, श्री ऋषभकुमारजी जैन सागर, श्रीमती स्नेहलता कासलीवाल कोलकाता, पण्डित गुलाबचंदजी बीना, श्री भगवतीलालजी सिघवीं इन्दौर, श्री सतीशचंदजी सेठी जयपुर, श्रीमती रविकांता राघौगढ थे।

रविवार, दिनांक 9 अगस्त को दोपहर 2.30 बजे से श्री कुन्दकुन्द कहान दिगम्बर जैन तीर्थसुरक्षा ट्रस्ट की सलाहकार समिति का अधिवेशन संपन्न हुआ, जिसमें ट्रस्ट के महामंत्री श्री बसन्तभाई दोशी ने ट्रस्ट की गतिविधियों एवं उपलब्धियों की विस्तृत जानकारी दी। इस अवसर पर डॉ. भारिल्ल का उद्बोधन भी प्राप्त हुआ। टोडरमल महाविद्यालय की रिपोर्ट पण्डित शान्तिकुमारजी पाटील ने प्रस्तुत की।

शिविर के अवसर पर आत्मानुशासन, मैं ज्ञानानन्द स्वभावी हूँ : एक अनुशीलन, जीव जीता कर्म हारा, नक्शों में दशकरण, विलक्षण दशलक्षण आदि पुस्तकों एवं अध्यात्म भजन गंगा भाग 2 की सी.डी. का विमोचन हुआ।

विधि-विधान के समस्त कार्य ब्र.जतीशचंदजी शास्त्री दिल्ली के निर्देशन में पण्डित अशोकजी उज्जैन एवं टोडरमल महाविद्यालय के छात्रों ने संपन्न कराये।

शिक्षण शिविर के समस्त कार्यक्रम श्री महिपालजी ज्ञायक बांसवाड़ा एवं श्री अशोकजी जैन जबलपुर के निर्देशन में संपन्न हुये।

अंतिम दिन दिनांक 11 अगस्त को श्री अशोकजी जबलपुर ने सभी विद्वानों, शिविरार्थियों एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों का सहयोग के लिये आभार प्रदर्शन किया। ●

सम्पादकीय –

# विज्ञान और उसके मित्रों की वार्ता

– पण्डित रतनचन्द भारिल्ल

(गतांक से आगे...)

यद्यपि अब विज्ञान का हृदय पूरी तरह परिवर्तित हो गया था, पर उधर संजू और उसके साथियों को इसका क्या पता ? अत: वे तो अभी भी उसके आने की आशा लगाये बैठे थे।

संजू ने आशा बँधाते हुये साथियों से कहा –''देखो, 'जब तक श्वांसा तब तक आशा', अपनी वांछित वस्तु को पाने के लिये जीवन की अन्तिम श्वांस तक भी लोग आशान्वित रहते हैं; अत: हताश होकर हिम्मत न हारो। जो भी मैंने तुम्हें गुरुमंत्र बताये हैं, तदनुसार अपने प्रयत्न चालू रखो।

भाई ! आशा से आसमान लगा है, अत: इतने जल्दी निराश होने की जरूरत नहीं है। मुझे तो पूरी-पूरी आशा है कि विज्ञान एक न एक दिन अवश्य आयेगा।''

यद्यपि संजू साथियों को दिलासा दे रहा था, ढाढस बंधा रहा था, पर स्वयं अन्दर से टूट चुका था। वह सोचता था कि – ''एक तो विद्या सुन्दर भी बहुत है और चतुर भी कम नहीं है। वह विज्ञान को इस तरह मोह लेगी कि उसका मन यहाँ-वहाँ कहीं भटकेगा ही नहीं। जो मनोरंजन के साधन होटलों और क्लबों में मिलते हैं, वह उनसे भी कहीं अच्छे साधन घर में ही जुटा लेगी। उसे क्या नहीं आता ? नाचना-गाना-बजाना सभी में तो निपुण है वह; इसलिये यद्यपि अब उसकी आशा करना तो पागलपन ही है; पर यदि मेरे साथी भी निराश हो गये, हिम्मत हार गये तो अपना तो जीना ही दूभर हो जायेगा। अपन कहीं के न रहेंगे, 'न घर के न घाट के' अत: किसी तरह इन्हें बहलाकर तो रखना ही होगा।'' यह विचार आते ही वह संभलता हुआ साथियों से बोला –''आयेगा कैसे नहीं, यदि नहीं आयेगा तो मैं जाकर ले आऊँगा, तुम लोग निश्चिन्त रहो।

संजू और राजू को तो ऐसा लगा जैसे कोई खोई हुई निधि मिल गई हो; क्योंकि विज्ञान के न आने से वे ही अधिक प्रभावित हुये थे। आदतें तो वैसी ही थीं और अर्थाभाव के कारण उनकी पूर्ति शतांश भी संभव नहीं हो पाती थी। होती भी कहाँ से ? जिनको दो टाइम की रोटियाँ नसीब न हों, वे सुरा-सुन्दरियों का शौक कहाँ से पूरा करेंगे ?

संजू की बात का समर्थन करते हुये अज्जू ने कहा –'वह आयेगा कैसे नहीं ? जिसे एक बार भी सुरा और सुन्दरी का रस लग जाता है, चाट लग जाती है, उसे फिर उसके बिना चैन नहीं पड़ती ? उसे, तो उसकी हर पल याद आती रहती है। उसे कोई रस्सी से भी बाँधे तो भी वह नहीं रुक सकता। यह तो व्यसन ही ऐसा है। अत: वह आयेगा, जरूर आयेगा।''

बीच में ही राजू बोल पड़ा –''कोई कुछ भी कहे, कैसी भी कसमें दिलाये, रुकेगा तो नहीं; पर उसकी भी अपनी समस्याएँ हैं, वह उनसे जूझ रहा होगा ?''

हाँ में हाँ मिलाते हुये अन्नू ने कहा –''हाँ भाई ! विज्ञान तो बेचारा स्वयं भी आना ही चाहता होगा, पर वह अपनी बीवी विद्या से निगाह बचाकर निकल पाये तब न ?''

X X X

बहुत दिनों बाद एक दिन जब विज्ञान अनायास ही संजू और उनके साथियों की महफिल में पहुँच गया तो उनकी खुशी का ठिकाना नहीं रहा।

संजू ने कहा – ''देखो, मैंने कहा था न ? कि वह एक न एक दिन अवश्य आयेगा। यहाँ नहीं आयेगा तो कहाँ जायेगा ?''

अज्जू ने भी छाप लगाई –''अरे भाई ! इस महफिल का तो आनन्द ही कुछ ऐसा है कि जो एक बार यहाँ आ जाता है, उसका अन्य जगह कहीं मन ही नहीं लगता।''

सभी ने विज्ञान के शुभागमन पर हर्ष प्रगट किया। विज्ञान ने भी उनके प्रति अपनापन दिखाते हुये उनसे कुशलक्षेम पूछी। सामान्य औपचारिकता के बाद विज्ञान ने कहा –''इन दिनों आप लोगों को किसी प्रकार की कोई खास परेशानी तो नहीं रही ? यदि किसी को कोई तकलीफ हो तो नि:संकोच बताये। मैं आपका अपना साथी हूँ। साथी कहते ही उसे हैं, जो सुख-दु:ख में समान रूप से साथ दे। यदि आप मुझ अपने कष्ट नहीं बतायेंगे तो फिर किसे बतायेंगे ?''

इतना सहानुभूतिपूर्ण प्रेम का व्यवहार पाते ही उन्हें सुख-दु:ख सुनाने का भाव जागृत हो गया और एक-एक ने अपने दिल का दर्द प्रगट कर दिया।

संजू ने कहा – ''और तो सब ठीक ही है, पर सबको तुम्हारी याद बराबर सताती रही। पारिवारिक परेशानियाँ भी इन दिनों कुछ अधिक ही रही। अन्नू और अज्जू की पत्नियाँ सरला और सुनीता यदि अपने कुल की आन लिये घर में ही दुल्हन बनी बैठी रहती तो उनके तो बच्चे ही भूखों मर जाते; क्योंकि ये दोनों तो इनदिनों बीमार रहने से काम पर ही नहीं जा पाये।

डॉक्टर कहते हैं कि मदिरापान बंद किये बिना अन्नू के पेट की बीमारी ठीक नहीं हो सकती, इसके लीवर पर सूजन आ गई है और अज्जू के फेंफड़े खराब हो रहे हैं, सिगरेट छोड़े बिना इसकी खांसी ठीक नहीं हो सकती। तथा इनका कहना यह है कि यदि हम एक दिन भी नहीं पीते तो हमारे हाथ-पाँव ही नहीं चलते, हम कोई काम ही नहीं कर सकते। इसकारण ये दोनों सबसे अधिक परेशान हैं। वह तो इनकी पत्नियाँ ही अपने दिल पर पत्थर रखकर, अपना मन मारकर जैसे-तैसे इनके परिवार का पेट पाल रही हैं।''

अपनी बात चालू रखते हुये संजू ने आगे कहा -''मेरा और राजू का तो कहना ही क्या ? घर में न किसी को हमारी चिन्ता है और न हमें किसी की चिन्ता ? जब जो जहाँ से मिल गया, खाया-पीया और जमीन के बिछौना पर आसमान का चादर ओढकर आराम से कहीं भी सो गये। बस, इन दिनों भगवान की इतनी कृपा अवश्य है कि सुबह से शाम तक कोई न कोई आँख का अंधा और गाँठ का पूरा मिल ही जाता है, जिससे हमारा भी काम चल जाता है और जो कुछ बचता है सो हम सरला और सुनीता की भेंट चढा देते हैं। सो अन्नू और अज्जू का भी काम चल जाता है। इसप्रकार सब भगवान के भरोसे चल रहा है।''

विज्ञान को अपने चारों साथियों की यह दुर्दशा देखकर हृदय में भारी वेदना हुई। उसने एक-एक को अलग-अलग बुलाकर भी उनकी सभी परेशानियों को खूब ध्यान से सुना और उन्हें उस संकट से उबारने के लिये हर प्रकार का पूरा-पूरा सहयोग करने का आश्वासन दिया।

उसने सोचा -''संजू और राजू के माता-पिता और भाईयों ने अभी तक केवल इन्हें आदेश, उपदेश और डरा-धमकाकर ही सन्मार्ग पर लाने की कोशिश की है, इन्हें सदा दुतकारा ही है, कभी अपनाने की कोशिश नहीं की।

वस्तुत: बात यह है कि केवल आदेशों और उपदेशों की भाषा से कभी कोई सुधर नहीं सकता। किसी भी व्यक्ति को सन्मार्ग पर लाने के लिये पहले उसको अपने विश्वास में लेना और अपना विश्वास उसे देना आवश्यक होता है। उसे अपनाना पड़ता है, अपना बनाना पड़ता है। जब उसे यह विश्वास हो जाये कि यह व्यक्ति मेरा हृदय से हितैषी है और मात्र मेरे हित के लिये ही अपना सर्वस्व समर्पण कर रहा है, तब फिर वह स्वत: उसके सामने आत्मसमर्पण कर देता है और उसकी प्रत्येक बात मानने को तैयार हो जाता है।

अत: इन दोनों के लिये तो इनके माता-पिता और भाई-बन्धुओं से मिलना होगा और उन्हें यह सब बताना होगा। तथा अन्नू और अज्जू को आर्थिक योगदान देकर उनका हृदय परिवर्तन करने का प्रयत्न करना होगा।''

यह विचार आने पर विज्ञान ने अन्नू और अज्जू को तो आवश्यकतानुसार दवाईयों का और बच्चों की पढाई का तथा आवश्यक आवश्यकताओं की पूर्ति की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली तथा संजू और राजू को भी उनकी पारिवारिक समस्याओं को सुलझाने का आश्वासन दिया।

उसके इस प्रेम भरे व्यवहार से और नि:स्वार्थभाव से किये गये आर्थिक सहयोग से वे सभी गद्‌गद् थे। विज्ञान के प्रति उत्पन्न हुआ उन सबका असंतोष एवं नाराजगी एक ही दिन में श्रद्धा में पलट गये। ●

## हार्दिक बधाई !

टीकमगढ (म.प्र.) निवासी पण्डित सुरेशचंदजी जैन पिपरावाले के सुपौत्र एवं श्री समकित जैन के सुपुत्र **चि. शुभ जैन** के जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में टोडरमल महाविद्यालय ध्रुवफण्ड हेतु 1100/- रुपये प्राप्त हुये।

## शोक समाचार

**(1) खनियांधाना (म.प्र.) निवासी श्री गेंदालालजी पुजारी** का दिनांक 1 अगस्त को शांतपरिणामोंपूर्वक देहावसान हो गया।

आप मुमुक्षु मण्डल के सक्रिय कार्यकर्ता थे एवं नंदीश्वर विद्यालय से अत्यंत स्नेह रखते थे।

**(2) मुम्बई निवासी श्रीमती अमृतबेन धर्मपत्नी श्री वेलजीभाई रायशी शाह** का दिनांक 15 जुलाई को शांतपरिणामोंपूर्वक देहावसान हो गया। ज्ञातव्य है कि आप श्री दिलीपभाई शाह की माताजी हैं। आप जब भी जयपुर रहती थीं तो यहाँ स्वाध्याय सभा की नियमित श्रोता थीं। आपका टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के प्रति अपूर्व स्नेह रहता था।

दिवंगत आत्मा चतुर्गति के दु:खों से छूटकर शीघ्र ही अनंत अतीन्द्रिय आनन्द को प्राप्त हो - यही मंगल भावना है।

## डॉ. भारिल्ल के आगामी कार्यक्रम

| | | |
|---|---|---|
| 09 से 16 सितम्बर | मुम्बई | श्वेताम्बर पर्यूषण |
| 18 से 27 सितम्बर | दिल्ली | दशलक्षण पर्व |
| 2 अक्टूबर | जयपुर (टोडरमलजी मंदिर) | ताम्रपत्र-मोक्षमार्गप्रकाशक विमोचन |
| 18 से 27 अक्टूबर | जयपुर | शिक्षण शिविर |
| 31 अक्टू. व 1 नव. | इन्दौर (ढाईद्वीप) | वेदी शिलान्यास |
| 8 से 12 नवम्बर | देवलाली | भ. महावीर निर्वाणोत्सव |
| 18 से 25 नवम्बर | जयपुर | सिद्धचक्र मण्डल विधान |

# घर-घर साहित्य, हर घर साहित्य

## यह योजना क्या है ?

दशलक्षण पर्व के पावन अवसर पर वीतरागी तत्त्वज्ञान पोषक जिनवाणी हर घर में उपलब्ध रहे; ताकि कोई भी पाठक जब भी जिनवाणी पढना चाहे वह उसे उपलब्ध रहे, यह योजना इसी दिशा में एक कदम है।

## आप इस योजना से किस तरह जुड़ सकते हैं ?

1. आप पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट के साहित्य विक्रय विभाग में उपलब्ध साहित्य का सूची-पत्र डाक या ई-मेल द्वारा मंगवा लेवें।
2. उसमें से 3000/- रुपये मूल्य तक का साहित्य या प्रवचनों की सी.डी. चुनकर उसका ऑर्डर 'साहित्य विक्रय विभाग', पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, ए-4, बापूनगर, जयपुर को भेज दें; लेकिन इसमें पूजन साहित्य, भजनों की सी.डी. एवं एक ही प्रकार की पुस्तक (जैसे- आप 25 समयसार मांगें) सम्मिलित नहीं है।
3. आर्डर के साथ 2000/- रुपये का डी.डी./चैक भी साथ भेजें। इसके बिना ऑर्डर स्वीकृत नहीं किया जायेगा।
4. संस्था आपको शीघ्र ही आपके ऑर्डर का साहित्य ट्रान्सपोर्ट/ट्रेवल्स/रेलवे द्वारा आपको भेज देगी।
5. आप उस साहित्य को मंगवाकर मंदिरजी में बिक्री हेतु रखवा सकते हैं। पुरस्कार में वितरित करवा सकते हैं या किसी भाई की ओर से नि:शुल्क भेंट कर सकते हैं।

## मुझे इस योजना से जुड़ने पर क्या लाभ होगा ?

1. घर-घर जिनवाणी पहुंचाने के अपूर्व पुण्य का लाभ आपको प्राप्त होगा।
2. 3000/- रुपये मूल्य का साहित्य आपको मात्र 2000/- में प्राप्त होगा। (आपको 1000 रुपये की छूट दी जावेगी।)
3. तत्त्वज्ञान घर-घर पहुंचाने के इस मिशन में आप हमारे सहयोगी बनेंगे।

## आप अपना ऑर्डर निम्नप्रकार भेज सकते हैं -

(1) डाक द्वारा - साहित्य विक्रय केन्द्र, पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट, ए-4, बापूनगर, जयपुर-302015 के पते पर पत्र भेजकर।

(2) ई-मेल द्वारा - ptstjaipur@yahoo.com पर ई-मेल करके।

(3) whats app द्वारा - मोबाइल नं. 9785643202 पर अपना ऑर्डर whats app करके।

# दशलक्षण महापर्व में धर्म प्रभावनार्थ कहाँ-कौन ?

**पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी दिनांक 18 सितम्बर 2015 से प्रारम्भ हो रहे दशलक्षण महापर्व में समाज के आमंत्रण पर तत्त्वप्रचारार्थ विद्वान भेजे जा रहे हैं। पर्व के प्रारंभ होने में लगभग 37 दिन का समय शेष है, तथापि दिनांक 11 अगस्त 2015 तक हमारे पास 340 स्थानों से आमंत्रण प्राप्त हो चुके हैं और अभी भी अनेक स्थानों से आमंत्रण प्राप्त हो रहे हैं। दिनांक 11 अगस्त 2015 तक लिये गये निर्णयानुसार अब तक लगभग 302 स्थानों पर ही विद्वान निश्चित हो सके हैं; शेष स्थानों पर विद्वान निश्चित करना बाकी है। अभी तक तैयार सूची यहाँ प्रकाशित की जा रही है –**

**विशिष्ट विद्वान : 1. कोटा :** बाबू जुगलकिशोरजी 'युगल' कोटा, **2. दिल्ली (विश्वास नगर) :** डॉ. हुकमचन्दजी भारिल्ल जयपुर, **3. जयपुर :** पण्डित रतनचन्दजी भारिल्ल जयपुर, **4. मुम्बई (बोरीवली) :** डॉ. उत्तमचन्दजी जैन सिवनी, **5. जयपुर :** ब्र. यशपालजी जैन, जयपुर, **6. सोनागिर :** पण्डित ज्ञानचन्दजी जैन, विदिशा, **7. मुम्बई (भायंदर) :** ब्र. सुमतप्रकाशजी जैन, खनियांधाना **8. बड़ौदा** : पण्डित विमलप्रकाशजी झांझरी, उज्जैन, **9. दिल्ली व विभिन्न स्थान** : ब्र. जतीशचन्दजी शास्त्री, सनावद, **10. कलकत्ता** : पण्डित राजेन्द्रकुमारजी, जबलपुर, **11. सागर (परकोटा)** : पण्डित अभयकुमारजी शास्त्री देवलाली, **12. उदयपुर (मुमुक्षु मण्डल)** : ब्र. हेमचन्दजी 'हेम' देवलाली, **13. इन्दौर (रामाशाह मन्दिर) :** पण्डित शांतिकुमारजी पाटील शास्त्री जयपुर, **14. अहमदाबाद (वस्त्रापुर) :** पण्डित प्रदीपजी झांझरी उज्जैन, **15. हिम्मतनगर** : पण्डित वीरेन्द्रकुमारजी जैन, आगरा, **16. इन्दौर (साधनानगर)** : पण्डित शैलेशभाई शाह, तलौद, **17. दिल्ली** : पण्डित राकेशजी शास्त्री, नागपुर, **18. सासनी** : पण्डित अशोकजी लुहाड़िया शास्त्री मंगलायतन, **19. राजकोट** : पण्डित सुनीलजी जैनापुरे शास्त्री राजकोट **20. बैंगलोर :** पण्डित पीयूष कुमारजी शास्त्री, जयपुर, **21. कोटा (इन्द्रा विहार)** : पण्डित अनिलकुमारजी शास्त्री, भिण्ड, **22. ग्वालियर** : ब्र. कैलाशचन्द्रजी अचल, **23. अजमेर (स्वाध्याय मन्दिर)** : डॉ. दीपकजी जैन, जयपुर।

**विदेश : 1. शिकागो (अमेरिका)** : पण्डित विपिनजी शास्त्री मुम्बई, **2. टोरंटो (कनाडा)** : डॉ. संजीवकुमारजी गोधा, जयपुर, **3. नैरोबी** : पण्डित नीलेशभाई शाह मुम्बई, **4. दुबई :** डॉ. नीतेशजी शाह, जयपुर।

## मध्यप्रदेश प्रान्त

**1. अशोकनगर :** पण्डित देवेन्द्रकुमारजी बिजौलिया, **2. जबलपुर :** पण्डित विपिनकुमारजी शास्त्री नागपुर, **3. इन्दौर (साधनानगर) :** पण्डित शैलेषभाई तलौद, **4. इन्दौर (रामाशा मन्दिर) :** पण्डित शान्तिकुमारजी पाटील जयपुर, **5. इन्दौर (पलासिया) :** पण्डित विक्रांतजी शास्त्री सोलापुर, **6. इन्दौर (ओम विहार) :** पण्डित सतीशचन्दजी कासलीवाल देवास, **7. इन्दौर (रामचन्द्र नगर) :** पण्डित अरुणजी ठगन टीकमगढ़, **8. इन्दौर (गोयल नगर) :** पण्डित अरुणजी मोदी सागर, **9.** इन्दौर : पण्डित पदमचंदजी गंगवाल, **10. भोपाल (कोहेफिजा) :** पण्डित सुरेशचन्दजी जैन टीकमगढ़, **11. लुकवासा :** ब्र. कल्पनाबेन सागर, **12. बीना :** पण्डित चन्दूभाई कुशलगढ़, **13. रतलाम (आदिनाथ चैत्यालय) :** पण्डित संजयकुमारजी इंजी. खनियांधाना, **14. बड़नगर :** पण्डित ब्र. सुनीलजी शास्त्री शिवपुरी, **15. उज्जैन :** डॉ. महावीरप्रसादजी शास्त्री उदयपुर, **16. गुना (वीतराग–विज्ञान) :** पण्डित विरागजी शास्त्री जबलपुर, **17. भोपाल (चौक) :** पण्डित अभयकुमारजी शास्त्री खैरागढ़, **18. भिण्ड (परमागम मन्दिर) :** पण्डित अरहंतप्रकाशजी झांझरी उज्जैन, **19. टीकमगढ़ :** पण्डित तेजकुमारजी गंगवाल इन्दौर, **20. 21. ग्वालियर (फालका बाजार) :** पण्डित विवेकजी शास्त्री दलपतपुर एवं पण्डित अभिषेकजी शास्त्री मुम्बई, **22. ग्वालियर(दानाओली) :** ब्र. कैलाशचंदजी अचल ललितपुर, **23. गढ़ाकोटा :** विदुषी श्रीमती पुष्पा जैन खण्डवा, **24. सागर (महावीर जिनालय) :** पण्डित अभयकुमारजी शास्त्री देवलाली, **25. बेगमगंज :** पण्डित ब्र. चिदानन्दजी अशोकनगर, **26. खुरई :** पण्डित रतनचन्दजी कोटा, **27. होशंगाबाद :** ब्र. सुधाबेन छिन्दवाड़ा, **28. खनियांधाना :** पण्डित तपिश/अंकित शास्त्री लूणदा, **29. भिण्ड (देवनगर) :** पण्डित धीरज शास्त्री जबेरा, **30. सिलवानी :** पण्डित सजल शास्त्री सिंगोडी, **31. बण्डा :** पण्डित जिनेन्द्रजी शास्त्री जयपुर, **32. सोनागिर :** पण्डित ज्ञानचन्दजी विदिशा, पण्डित लालजीरामजी विदिशा, **33. जबेरा :** पण्डित पदमकुमारजी अजमेरा इन्दौर, **34. भोपाल (कस्तूरबानगर) :** डॉ. महेशजी शास्त्री गूढ़ा, **35. गुना (महावीर जिनालय) :** पण्डित विवेकजी जैन रानीपुर, **36. अमरमऊ :** पण्डित दीपेशजी शास्त्री जयपुर, **37. सागर :** पण्डित अखिलेशजी शास्त्री, **38. मौ :** पण्डित अजितकुमारजी जैन मडावरा सागर, **39. शहडोल :** पण्डित प्रतीक शास्त्री जबलपुर, **40. टीकमगढ :** पण्डित राकेशजी शास्त्री लिधौरा, **41. छिन्दवाड़ा :** पण्डित रजनीभाई दोशी हिम्मतनगर, **42. शाहगढ़ :** पण्डित नागेशजी पिड़ावा, **43. सागर (तारण–तरण) :** पण्डित बाहुबली शास्त्री दमोह, **44. सेमरखेड़ी :** पण्डित हेमचंदजी शास्त्री शाहगढ, **45. शिवपुरी (परमागम मन्दिर) :** पण्डित विनीतजी शास्त्री आगरा, **46. मन्दसौर (नई आबादी) :** पण्डित अश्विन नानावाटी, **47. गंजबसौदा (तारण–तरण) :** पण्डित प्रदीपकुमारजी कुंडा, **48. मन्दसौर (कालाखेत) :** पण्डित नरेन्द्रकुमारजी शास्त्री जयपुर, **49. गौरझामर :** पण्डित चैतन्यजी शास्त्री कोटा, **50. रांझी (जबलपुर) :** पण्डित सुकुमालजी शास्त्री लुकवासा, **51. आरोन :** पण्डित अभिषेक मंगलार्थी छिन्दवाड़ा, **52. मकरोनिया (सागर) :** डॉ. कपूरचन्दजी कौशल भोपाल, **53. सिवनी :** पण्डित जिनेश शेठ मुम्बई, **54. ग्वालियर (थाठीपुर) :** पण्डित अभिषेक शास्त्री कोलारस, **55. धार :** पण्डित प्रमोदजी मकरोनिया सागर, **56. फोपनार :** पण्डित विनीत शास्त्री पौहरी, **57. निसईजी :** पण्डित वीकेश शास्त्री जयपुर, **58. निसईजी :** पण्डित रतनलालजी होशंगाबाद, **59. निसईजी :** पण्डित राजकुमारजी सराफ सागर, **60. निसईजी :** विदुषी पुष्पाबेन होशंगाबाद, **61. निसईजी :** विदुषी प्रतिभाजी बांदा, **62. करेली :** पण्डित सुरेन्द्रजी उज्जैन इन्दौर, **63. बदनावर (धार) :** पण्डित प्रमोदजी बांसवाड़ा, **64. सनावद (समवशरण मन्दिर) :** पण्डित सुनीलजी जैन देवरी, **65. इटारसी (तारण–तरण) :** पण्डित चितरंजनजी जैन छिन्दवाड़ा, **66. शहपुरा भिटौनी (बालकक्षा) :** पण्डित अंकित शास्त्री बण्डा, **67. सिंरोज :**

पण्डित शेषकुमारजी जैन उभेगांव, **68. मंडला :** पण्डित पण्डित राजेशकुमारजी जबलपुर, **69. दमौह (कांच मन्दिर) :** पण्डित धन्यकुमारजी जैन, **70. दमोह (तारण–तरण) :** पण्डित समकित शास्त्री सिलवानी, **71. केसली :** पण्डित कमलकुमारजी जबेरा, **72. खड़ैरी :** पण्डित नन्दकिशोरजी गोयल विदिशा, **73. विदिशा (किला अन्दर) :** पण्डित शुद्धात्मप्रकाशजी भारिल्ल जयपुर, **74. विदिशा (सीमंधर जिनालय) :** पण्डित चिन्मयजी शास्त्री, **75. सोनागिर :** पण्डित लालजीरामजी विदिशा, **76. बदरवास :** पण्डित अर्पितजी शास्त्री ललितपुर, **77. कोलारस (चौधरी मौहल्ला) :** पण्डित कीर्तिकुमार शास्त्री जयपुर, **78. कोलारस (आदिनाथ) :** पण्डित निवेशजी शास्त्री खरगापुर, **79. करैरा :** पण्डित अमितजी शास्त्री शाहगढ, **80. वनखेड़ी :** पण्डित निकुंजजी शास्त्री खड़ैरी, **81. शुजालपुर सिटी :** पण्डित ज्ञायकजी शास्त्री उदयपुर, **82. रहली :** पण्डित मनीषजी शास्त्री भिण्ड, **83. धर्मपुरी :** पण्डित सुशीलजी शास्त्री भोपाल, **84. सिंगोड़ी :** पण्डित प्रशांतजी शास्त्री खेकड़ा, **85. अमलाई :** पण्डित जितेन्द्रजी शास्त्री सादपुर, **86. उमरिया :** पण्डित आदित्यजी शास्त्री कोटा, **87. उभेगांव :** पण्डित पारसजी शास्त्री खेकड़ा, **88. जावरा :** ब्र.धरणेन्द्रजी दिल्ली एवं पण्डित विनयजी शास्त्री दिल्ली, **89. जुन्नारदेव :** पण्डित आकाशजी शास्त्री अमायन, **90. घुवारा :** पण्डित नीलेशजी शास्त्री ध्रुवधाम, **91. सागर (तारण–तरण) :** पण्डित कपूरचंदजी भायजी एवं पण्डित सुधीर सहयोगी।

## महाराष्ट्र प्रान्त

**1. मुम्बई (सीमंधर जिनालय) :** पण्डित मनीषजी शास्त्री (बरेली) इन्दौर, **2. मुम्बई (दादर) :** पण्डित संजयजी शास्त्री (जेवर) मंगलायतन, **3.मुम्बई (बोरीवली) :** डॉ. उत्तमचन्दजी सिवनी, **4. मुम्बई (भायंदर–वेस्ट) :** ब्र. सुमतप्रकाशजी जैन खनियांधाना, **5. मुम्बई (मलाड) :** पण्डित सचिनजी अकलूजवाले मंगलायतन, **6. मुम्बई (वसई रोड) :** पण्डित ज्ञायकजी शास्त्री राजकोट, **7. मुम्बई (एवरशाईनगर) :** पण्डित सोनू शास्त्री अहमदाबाद, **8. मुम्बई (विक्रोली) :** पण्डित कमलचन्दजी पिड़ावा, **9. मुम्बई (दहिसर) :** पण्डित प्रफुल्लजी शास्त्री शेंडगे, **10.11.मुम्बई (घाटकोपर) :** डॉ. शुद्धात्मप्रकाशजी गुढाचन्द्रजी एवं पण्डित सौरभ शास्त्री कोटा, **12. वाशी (नवी मुम्बई) :** पण्डित जितेन्द्र दोशी मुम्बई, **13–16. नागपुर (इतवारी) :** ब्र. वासन्तीबेन, ब्र. प्रीती बहन, ब्र. सीमा बहन, ब्र. श्रद्धाबहन देवलाली, **17–19. नागपुर (विद्यालय) :** पण्डित मनीषजी शास्त्री खड़ैरी एवं पण्डित भूषणजी शास्त्री विटालकर, **(विधान हेतु) :** पण्डित नितिनजी शास्त्री झालरापाटन, **20.21. गजपंथा :** डॉ. मानमलजी जैन कोटा एवं पण्डित शुद्धात्मजी शास्त्री कोटा, **22.23. पुणे (स्वा. मंडल) :** पण्डित विकास शास्त्री बानपुर एवं विदुषी अनुभूति जैन बानपुर, **24. जलगांव :** पण्डित कमलेशजी जैन मौ, **25.26. हिंगोली :** पण्डित धर्मेन्द्रजी शास्त्री कोटा एवं पण्डित अमोलजी शास्त्री सिंघई, **27. वाशिम (जवाहर कालोनी) :** पण्डित प्रवीणजी शास्त्री बांसवाड़ा, **28. देवलाली :** ब्र. श्रेणिकजी जबलपुर **(विधान हेतु) :** दीपकजी धवल भोपाल, **29–31. सेलू :** पण्डित अनंतजी शास्त्री शिरपुर, पण्डित अशोकजी शास्त्री वानरे एवं पण्डित अनिल धवल शास्त्री भोपाल, **32.33. औरंगाबाद :** पण्डित संजयजी शास्त्री राउत एवं डॉ. शुद्धात्मप्रभा टडैया मुम्बई, **34.35. देऊलगाँवराजा :** पण्डित दिलीपजी महाजन मालेगांव एवं पण्डित विजयकुमारजी रिठद, **36. मलकापुर :** पण्डित प्रकाशचन्दजी झांझरी उज्जैन, **37.38. नातेपुते :** पण्डित नन्दकिशोर शास्त्री काटोल एवं पण्डित शीतलजी दोशी, **39. अकोला :** पण्डित सुदीपजी इंजीनियर बीना, **40. रामटेक :** पण्डित कार्तिक शास्त्री जयपुर, **41. औरंगाबाद (गारखेड़ा) :** पण्डित गुलाबचन्दजी बेलोकर शास्त्री एलोरा, **42–44. सांगली :** पण्डित अनिल शास्त्री खनियांधाना, पण्डित प्रसन्नजी शेटे कोल्हापुर एवं विदुषी स्वयंप्रभा पाटील, **45. सोलापुर (आदिनाथ मन्दिर) :** पण्डित जयकुमारजी कोटा, **46. कारंजा :** ब्र. अमित भैया विदिशा, **47. चिखली :** पण्डित दिलीपजी महाजन मालेगांव, **48. मालेगांव :** पण्डित प्रमेशजी शास्त्री मुम्बई, **49. बेलोरा :** पण्डित सागरजी शास्त्री ध्रुवधाम, **50. शिरपुर :** पण्डित शुभमजी शास्त्री कोटा, **51. बाहुबली कुंभोज :** डॉ. नेमीनाथजी शास्त्री दानोली, **52. अनसिंग :** पण्डित अनुभवजी शास्त्री भिण्ड, **53. बालचन्द नगर :** पण्डित सागरजी शास्त्री जयपुर, **54. परली (वैजनाथ) :** पण्डित पंकजजी शास्त्री जयपुर, **55. शिरडशहापुर :** पण्डित सुरेशजी शास्त्री राजुस, **56. विहीगांव :** पण्डित अभिषेकजी उपाध्ये जयपुर, **57. डासाला :** पण्डित जयेशजी शास्त्री मालेगांव, **58. सेनगांव :** पण्डित गौरवजी शास्त्री उखलकर, **59. रिसोड :** पण्डित रोहनजी घाटे, **60. बड़ौत तांगड़ा :** पण्डित वर्धमानजी देशमाने, **61. मालशिरस :** पण्डित प्रशांतजी शास्त्री पाटील।

## राजस्थान प्रान्त

**1. कोटा :** बाबू जुगल किशोरजी 'युगल' कोटा, **2. कोटा (रामपुरा) :** पण्डित धनसिंहजी पिड़ावा, **3. कोटा (इन्द्र विहार) :** पण्डित अनिलजी शास्त्री भिण्ड, **4. अलवर (मु. मंडल) :** पण्डित निर्मलजी एडवोकेट एटा, **5. पिडावा :** पण्डित निर्मलकुमारजी सागर, **6. अजमेर (वी.विज्ञान भवन) :** डॉ. दीपकजी शास्त्री जयपुर, **7. उदयपुर (मु. मंडल) :** ब्र. हेमचन्दजी हेम देवलाली, **8. उदयपुर (सेक्टर–11) :** पण्डित सुबोधजी सिंघई सिवनी, **9. उदयपुर (नेमीनगर) :** पण्डित राहुल शास्त्री मुम्बई, **10. उदयपुर (गायरीयावास) :** पण्डित नेमीचन्दजी जैन ग्वालियर, **11. बून्दी (मुमुक्षु मण्डल) :** पण्डित मनोजकुमारजी जैन मुजफ्फरनगर, **12.13. कोटा (छावनी) :** पण्डित प्रेमचंदजी बजाज कोटा, पण्डित निलयजी शास्त्री बरायठा, **14. कोटा (मुमुक्षु आश्रम) :** पण्डित पंकजजी शास्त्री बमनी, **15. जयपुर (आदर्शनगर) :** पण्डित परमात्मप्रकाशजी भारिल्ल जयपुर, **16. भीलवाड़ा :** पण्डित मनोजकुमारजी शास्त्री करेली, पण्डित मयंकजी जैन कोटा, **17. कानोड :** पण्डित संदीपजी शास्त्री शाहपुर, **18. भीण्डर :** पण्डित धर्मचन्दजी जैन जयथल, **19. बिजौलिया :** पण्डित महेशचन्दजी जैन ग्वालियर, **20.21. पीसांगन :** पण्डित पूरणचन्दजी जैन मौ, **(विधान हेतु) :** पण्डित मोहितजी जैन बंडा कोटा, **22. बीकानेर :** पण्डित राजीवजी शास्त्री थानागाजी, **23. झालरापाटन :** ब्र. विमला बहनजी जयपुर, **24. अजमेर (वैशालीनगर) :** पण्डित निखिलजी शास्त्री मेरठ, **25. अजमेर (विधान हेतु) :** पण्डित अभयजी शास्त्री ग्वालियर, **26. चित्तौड़गढ़ (कुम्भानगर) :** पण्डित विमलचन्दजी जैन लाखेरी, **27. उदयपुर (सेक्टर–14) :** पण्डित खेमचन्दजी शास्त्री गुढ़ाचन्द्रजी, **28.**

**लवाण :** पण्डित पदमचन्दजी जैन कोटा, **29. लूणदा :** पण्डित शुभमजी जैन कोटा, **30. सेमारी :** पण्डित सौरभजी जैन कोटा, **31. कुशलगढ (तेरापंथी) :** पण्डित प्रासुकजी जैन कोटा, **32. टोकर :** पण्डित अमितजी जैन कोटा, **33. साकरोदा :** पण्डित दीपकजी जैन बांसवाड़ा, **34. लाम्बाखोह :** पण्डित अनुरागजी जैन कोटा, **35. लकड़वास :** पण्डित संयमजी जैन कोटा, **36. बोहेडा :** पण्डित शुभम सावरकर शास्त्री बांसवाड़ा, **37. वल्लभनगर :** पण्डित गजेन्द्रजी शास्त्री भरतपुर, **38. कूण :** पण्डित वर्धमान जैन कोटा, **39. डबोक :** पण्डित विपुलजी जैन बांसवाड़ा, **40. अलवर (मुमुक्षु मण्डल) विधान :** पण्डित विपिनजी जैन बांसवाड़ा, **41. कुशलगढ (शान्तिनाथ) :** पण्डित संभवजी जैन कोटा, **42. वेर :** पण्डित तन्मयजी जैन बांसवाड़ा, **43. बेगू :** पण्डित अविरल जैन बांसवाड़ा, **44. झालावाड़ :** पण्डित अनुभवजी जैन उदयपुर कोटा, **45. केलवाड़ा :** पण्डित अनुभवजी शास्त्री कोटा, **46. बांसवाड़ा :** पण्डित विनोदजी सिंघई जबेरा, **47.48. बांसवाड़ा (ध्रुवधाम) :** पण्डित प्रशांतजी शास्त्री अमरमऊ एवं पण्डित चेतनजी शास्त्री शहपुरा, **49. थानागाजी :** पण्डित पारसजी जैन बांसवाड़ा।

## उत्तरप्रदेश प्रान्त

**1. अलीगढ़ (मंगलायतन) :** पण्डित चेतनभाई राजकोट, **2. मैनपुरी :** पण्डित फूलचन्दजी जैन हिंगोली, **3. खतौली (चन्द्रप्रभ जिनालय) :** पण्डित चैतन्य शास्त्री कोटा, **4. ललितपुर :** पण्डित मनोजकुमारजी जैन जबलपुर, **5. मेरठ (तीरगरान) :** पण्डित डॉ. मनीष शास्त्री खतौली, **6. मडावरा :** पण्डित सतीशचन्दजी जैन पिपरई, **7. जैतपुरकला :** पण्डित संजयजी शास्त्री खनियांधाना, **8. शिकोहाबाद :** विदुषी ब्र. संध्याबेन, **9. धामपुर :** पण्डित सौरभजी शास्त्री खडेरी, **10. कांधला :** पण्डित सौरभजी फूप/पण्डित विशालजी ग्वालियर, **11. सहारनपुर :** विदुषी राजकुमारीजी दिल्ली, **12. एतमादपुर :** पण्डित विकासजी शास्त्री इन्दौर, **13. जसवंतनगर :** पण्डित राहुलजी जैन रानीपुर, **14. रुडकी :** पण्डित विवेकजी शास्त्री भिण्ड, पण्डित उदयजी शास्त्री जयपुर, **15. कानपुर (मुमुक्षु मण्डल) :** पण्डित साकेत शास्त्री जयपुर, **16. छपरौली :** पण्डित माणिकचन्दजी जैन बेरी, **17. खेकड़ा :** विदुषी प्रमिलाजी जैन इन्दौर, **18. शिकोहाबाद :** ब्र. अंकित शास्त्री धार, **19. शिकोहाबाद :** पण्डित देवेन्द्र शास्त्री, **20. बानपुर :** ब्र. चंद्रेशजी अमायन, **21. कुरावली :** पण्डित शीतलजी पाण्डे उज्जैन, **22. कानपुर (किदवई नगर) :** पण्डित अनुभवजी शास्त्री जबलपुर, **23. सुल्तानपुर (सहारनपुर) :** पण्डित आदित्यजी जैन कोटा।

## गुजरात प्रान्त

**1. अहमदाबाद (वस्त्रापुर) :** पण्डित प्रदीपजी झांझरी उज्जैन, **2. अहमदाबाद (नवरंगपुरा) :** पण्डित आकेशजी जैन छिन्दवाड़ा, **3. अहमदाबाद (मणीनगर) :** पण्डित निखिलजी जैन भायन्दर, **4. अहमदाबाद (पालडी) :** पण्डित अंकुर शास्त्री देहगांव, **5. अहमदाबाद (ओढव) :** पण्डित शनिजी शास्त्री कोटा, **6. अहमदाबाद (आशीषनगर) :** पण्डित संजयजी शास्त्री गनोड़ा, **7. अहमदाबाद (नरौडा) :** पण्डित सुकुमालजी झांझरी उज्जैन, **8. अहमदाबाद (चैतन्यधाम) :** पण्डित सुमित शास्त्री छिन्दवाड़ा, **9. अहमदाबाद (चैतन्यधाम) :** पण्डित रीतेशजी शास्त्री बांसवाड़ा, **10. अहमदाबाद (चैतन्यधाम) :** पण्डित सचिनजी शास्त्री गढ़ी, **11. हिम्मतनगर :** पण्डित वीरेन्द्रकुमारजी आगरा, **12. राजकोट :** पण्डित राजकुमारजी शास्त्री गुना, **13. दाहोद :** पण्डित दिलीपजी बाकलीवाल इन्दौर, **14. रखियाल :** विदूषी ब्र. पुष्पलता झांझरी उज्जैन, **15.16. बड़ौदा :** पण्डित विमलचन्दजी झांझरी उज्जैन एवं पण्डित सहजजी झांझरी उज्जैन, **17. तलोद :** ब्र. ज्ञानधारा एवं समता झांझरी उज्जैन, **18. मोरबी :** पण्डित राजेशजी शेठ मुम्बई, **19. वापी :** डॉ. श्रेयांसजी जबलपुर, **20. जैतपुर :** पण्डित प्रमोदजी शास्त्री जौलाना, **21.22. जहेर :** पण्डित सुकुमालजी झांझरी उज्जैन एवं पण्डित गौरवजी शास्त्री भिण्ड, **23. राजकोट :** पण्डित सुनीलजी शास्त्री जैनापुरे, **24. भावनगर :** पण्डित दीपकजी वस्त्रापुर अहमदाबाद, **25. जामनगर :** पण्डित राजकुमारजी शास्त्री उदयपुर, **26. सूरत :** पण्डित ज्ञाता झांझरी उज्जैन।

## अन्य प्रान्त

**1. कोलकाता :** पण्डित राजेन्द्रकुमारजी जबलपुर, **2. बेलगाँव :** पण्डित अभिषेकजी शास्त्री पालडी, **3. बैंगलौर :** पण्डित पीयूषजी शास्त्री जयपुर, **4.5. दिल्ली (आत्मार्थी ट्रस्ट) :** पण्डित डॉ. राकेशजी शास्त्री नागपुर, **(विधान हेतु)** पण्डित अशोकजी जैन उज्जैन, **6. कोलकाता (विधान हेतु) :** पण्डित सुनीलजी धवल भोपाल, **7. कोलकाता (बॅण्डेल चर्च) :** पण्डित मधुरजी शास्त्री जयपुर, **8. एरनाकुलम (केरल) :** पण्डित अभिनवजी शास्त्री मैनपुरी, **9. सम्मेदशिखर (कुन्दकुन्दनगर) :** पण्डित गुलाबचन्दजी जैन बीना, **10. ठाकुरगंज :** पण्डित संजयकुमारजी सेठी जयपुर, **11.12. फरीदाबाद :** पण्डित दीपकजी शास्त्री भिण्ड एवं पण्डित सुमितजी शास्त्री भिण्ड, **13. दावणगेरे (कर्नाटक) :** पण्डित भरत शास्त्री कोरी।

## दिल्ली प्रान्त

**1. विश्वास नगर :** पण्डित अनिलजी इंजी. इन्दौर, **2.3. छतरपुर एक्सटेंशन :** पण्डित डॉ. सुदीपजी जैन एवं डॉ. वीरसागर जैन, **4. कालकाजी व कृष्णानगर :** डॉ. अशोक जैन गोयल, **5. सैनिक फार्म :** पण्डित राकेश जैन शास्त्री, **6. रोहिणी से. 13 :** पण्डित ऋषभ जैन शास्त्री, **7. मण्टोला पहाडगंज :** पण्डित संदीप जैन शास्त्री, **8. पाण्डव नगर :** पण्डित डॉ. राजेन्द्रजी बंसल अमलाई, **9. शंकर रोड–राजेन्द्र नगर :** पण्डित निलयजी शास्त्री टीकमगढ़ आगरा, **10. बसंत कुंज :** पण्डित आदित्य शास्त्री खुरई मुम्बई, **11. सरस्वती विहार :** पण्डित निपुणजी शास्त्री टीकमगढ़, **12. बहादुरगढ़ :** पण्डित अंकुरजी शास्त्री मैनपुरी, **13. आत्मार्थी ट्रस्ट :** पण्डित अशोकजी जैन उज्जैन, **14. खेकड़ा :** पण्डित यश जैन शास्त्री पिड़ावा, **15. खेकड़ा :** विदूषी ब्र. प्रमिला बहनजी इन्दौर, **16. खेकड़ा :** पण्डित अविनाश शास्त्री, (छिंदवाडा) सहारनपुर, **17. शिवाजीपार्क :** पण्डित आकाशजी शास्त्री खनियांधाना, **18. रामनगर शाहदरा :** पण्डित मधुवन जैन शास्त्री मुजफ्फरनगर, **19. पटपडगंज गांव :** पण्डित सुमित जैन शास्त्री टीकमगढ़, **20–37 दिल्ली :** पण्डित अमित जैन शास्त्री कोटा, पण्डित पीयूष जैन शास्त्री कोटा, पण्डित कैलाशचन्दजी शास्त्री बीकानेर, पण्डित अचल शास्त्री खनियांधाना, पण्डित देवांग गाला शास्त्री मुम्बई, पण्डित नील शास्त्री मुम्बई, पण्डित करण शाह अमहदाबाद

(विधान), पण्डित डॉ. अनेकान्त जैन, पण्डित विवेक जैन शास्त्री सागर, पण्डित प्रयंक जैन शास्त्री रहली, पण्डित संजीव जैन उस्मानपुर, पण्डित संजीव जैन शास्त्री बारा, पण्डित दीपेश जैन शास्त्री गुढ़ा, पण्डित विवेक जैन शास्त्री विश्वासनगर, पण्डित अभिषेक जैन शास्त्री पालम, पण्डित श्रेयांस जैन शास्त्री शांति मोहल्ला, पण्डित मयंक जैन शास्त्री विश्वासनगर, विदुषी ईर्या जैन शास्त्री, **38. फरीदाबाद :** पण्डित सुमित शास्त्री भिण्ड, **39. फरीदाबाद :** पण्डित दीपकजी शास्त्री भिण्ड। ●

## दशलक्षण पर्व के आमंत्रण जल्दी भेजें

दशलक्षण महापर्व के अवसर पर प्रवचनार्थ विद्वानों को बुलाने हेतु पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट को आमंत्रण-पत्र प्राप्त हो रहे हैं। अभी तक जिन्होंने आमंत्रण नहीं भेजे हैं, वे शीघ्रातिशीघ्र आमंत्रण भेजें।

पत्र में अपना पूर्ण पता (पिनकोड सहित) एवं फोन नं. (एस.टी.डी. कोड सहित) भेजें एवं तत्काल संपर्क की सुविधा हेतु ई-मेल आई.डी. हो तो अवश्य भेज देवें।

अनेक बार समाज द्वारा दशलक्षण पर्व के अवसर पर प्रवचन हेतु विद्वानों को अपने यहाँ बुलाने का आमंत्रण अन्तिम समय पर प्राप्त होता है, जिससे व्यवस्था करने में कठिनाई होती है; अत: समाज/मंदिर के व्यवस्थापकों से निवेदन है कि वे अपने यहाँ से आमंत्रण-पत्र तत्काल भिजवायें। **– महामंत्री, पण्डित टोडरमल स्मारक ट्रस्ट**

आप अपने आमंत्रण पत्र निम्न पते पर भेज सकते हैं-

**दशलक्षण पर्व व्यवस्था विभाग,**
**ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन, ए-4, बापूनगर, जयपुर**
**(राज.) 302015 फोन नं.-0141-2705581, 2707458**
**मोबाइल - 09785643202 (पीयूष जैन)**
**E-mail : ptstjaipur@yahoo.com**

## टोडरमल महाविद्यालय का सुयश

**जयपुर (राज.) :** सोनगढ (गुज.) में दिनांक 15 से 19 जुलाई तक हुये गुरुवाणी मंथन शिविर के दौरान हुई परीक्षा का परिणाम घोषित हुआ है, जिसमें टोडरमल महाविद्यालय के छात्रों ने शानदार प्रदर्शन करते हुये अनेक पुरस्कार प्राप्त किये। परीक्षा परिणाम निम्नानुसार है -

**शास्त्री प्रथमवर्ष –** प्रशांत जैन जयपुर (प्रथम स्थान), विकेश जैन जयपुर (द्वितीय स्थान) एवं अंकित जैन जयपुर व शिखर जैन बांसवाड़ा (तृतीय स्थान)।

**शास्त्री द्वितीयवर्ष –** ऋषभ जैन जयपुर (प्रथम स्थान), अर्पित जैन जयपुर (द्वितीय स्थान) एवं चेतन जैन कोटा (तृतीय स्थान)।

**शास्त्री तृतीयवर्ष –** अंकित जैन जयपुर (प्रथम स्थान), अच्युतकांत जैन जयपुर (द्वितीय स्थान) एवं सौरभ जैन जयपुर (तृतीय स्थान)।

**-जिनकुमार शास्त्री**

## आगामी कार्यक्रम...

गढाकोटा-सागर (म.प्र.) में गढाकोटा, सागर एवं जबलपुर मुमुक्षु मण्डल के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनांक 25 से 30 दिसम्बर 2015 तक श्री 1008 नेमिनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव ब्र. जतीशचंदजी शास्त्री दिल्ली के निर्देशन में आयोजित होगा।

इसमें डॉ. हुकमचंदजी भारिल्ल आदि अनेक विद्वानों के प्रवचनों का लाभ मिलेगा। अत: आप सपरिवार इष्टमित्रों सहित सादर आमंत्रित हैं। आप कितने सदस्यों के साथ पधार रहे हैं, इसकी पूर्व सूचना अवश्य देवें ताकि आपके आवास एवं भोजन की समुचित व्यवस्था की जा सके। **संपर्क सूत्र :-** श्री महावीर कुंदकुंद कहान दिगम्बर जैन मुमुक्षु मण्डल ट्रस्ट गढाकोटा, ज्ञानचंद अठभैया-09300343911, पण्डित सचिन्द्र शास्त्री-07047332594

## नि:शुल्क साहित्य प्राप्त करें

सभी प्रकार के दिगम्बर जैन ग्रन्थ नि:शुल्क (डाकखर्च सहित) प्राप्ति हेतु **संपर्क करें-** अमित जैन C/o DTDC कोरियर, 3312, लाल गली, दिल्ली गेट, दरियागंज, दिल्ली- 110002 मोबा. नं.- 09811393356

## हार्दिक आमंत्रण

ज्ञानतीर्थ श्री टोडरमल स्मारक भवन जयपुर में
पण्डित टोडरमल सर्वोदय ट्रस्ट द्वारा आयोजित 17 वाँ

## आध्यात्मिक शिक्षण शिविर

**(रविवार 18 से मंगलवार 27 अक्टूबर 2015 तक)**

आप सभी को शिविर में पधारने हेतु हार्दिक आमंत्रण है।

**नोट :** कृपया आवासादि की समुचित व्यवस्था हेतु अपने आगमन की पूर्व सूचना अवश्य देवें।

**प्रकाशन तिथि : 13 अगस्त 2015**

**प्रति,**

सम्पादक : **पण्डित रतनचन्द भारिल्ल** शास्त्री, न्यायतीर्थ, साहित्यरत्न, एम.ए., बी.एड.
सह-सम्पादक : **डॉ.संजीवकुमार गोधा**, एम.ए.द्वय, नेट, एम.फिल (जैनदर्शन), पीएच.डी. एवं **पण्डित परमात्मप्रकाश भारिल्ल**
प्रकाशक एवं मुद्रक : **ब्र. यशपाल जैन** द्वारा जैनपथप्रदर्शक समिति के लिए जयपुर प्रिण्टर्स प्रा.लि., जयपुर से मुद्रित तथा त्रिमूर्ति कम्प्यूटर्स, श्री टोडरमल स्मारक भवन, ए-४, बापूनगर, जयपुर से प्रकाशित।

*यदि न पहुँचे तो निम्न पते पर भेजें -*
ए- 4 बापूनगर, जयपुर - 302015 (राज.)
**फोन :** (0141) 2705581, 2707458
**E-Mail :** ptstjaipur@yahoo.com **फैक्स :** (0141) 2704127